Importance of Pronunciation
उच्चारण का महत्व

भाषा में उच्चारण का महत्व सबसे अधिक होता है। भाषा के अन्तर्गत व्याकरण से कहीं अधिक महत्व शुद्ध उच्चारण का है। शुद्ध उच्चारण किया वाक्य व्याकरण असम्मत होने पर भी अर्थ प्रदान करता है, परन्तु व्याकरण सम्मत वाक्य अशुद्ध उच्चारण करने पर अपूर्ण माना जाता है, क्यों कि श्रोता उसे समझ नहीं पाते।

Scanned by TapScanner

उच्चारण शिक्षा का अतीतकाल से विशेष महत्व रहा है। भारत में हवन, यज्ञ के वेद के मन्त्रों के अशुद्ध उच्चारण से कुप्रभाव की आशंका से उसे पाप माना जाता रहा है। शुद्ध उच्चारण का प्रभाव ही उत्तम होता है।

1. शुद्ध उच्चारण ही भाषा के ज्ञान का आवश्यक अंग है। भाषा में सम्प्रेषण का प्रमुख माध्यम है।

2. बालक जैसे ही बोलना सीखता है, अनुकरण से अपनी मातृभाषा सीखता है, परन्तु उस पर स्थानीय प्रभाव होता है।

3. भाषा की शिक्षा में उच्चारण से अथवा अक्षरों व शब्दों की ध्वनियों का ही विशेष महत्व होता है।

4. शुद्ध उच्चारण से सम्प्रेषण में बोधगम्यता आती है।

5. अशुद्ध उच्चारण से भाव भंगिता भी होती है तथा सुनने में भी अच्छा नहीं लगता है।

Scanned by TapScanner